तर्ज-- बाबुल का ये घर बहना

पिया हम अंग तेरे ,हमे तुझको रिझाना है
रहनी मे आ करके, सुख धाम का पाना है

1--पिया तेरी वाणी से सुध साथ मे आई है
हुकम धनी तेरा ही सब साथ को निभाना है

2--पिया हो साथ मेरे हम तो यह जान गये
भूली रूहों को यह संदेश सुनाना है

3--रूहों के दिल की तुम पिया सब जान रहे
अर्श किया दिल को क्या तुमसे छिपाना है

Nijanand App